

न्यायालय उपजिला कलक्टर टोडाभीम, जिला करौली राज.

मु.नं.:- 5/14..

तारीख रजू :- 02.01.2014

पीठारिीन अधिकारी :- जगदीश आर्य आर.ए.एस.

उनवान

- |   |          |  |
|---|----------|--|
| 1 | मंगूसिंह | } पि. नारायणसिंह, जाति राजपूत, निवासी गढी तह0<br>टोडाभीम जिला करौली राज0 |
| 2 | जयसिंह   |  |
| 3 | भोलासिंह |  |
| 4 | अमरसिंह  |  |

वादीगण

बनाम

- |    |  |                  |                      |                         |
|----|--|------------------|----------------------|-------------------------|
| 1  | रघुवीरसिंह                               | } पि. धनसिंह     | } समस्त जाति राजपूत  |                         |
| 2  | नन्दसिंह                                 |                  |                      |                         |
| 3  | जडाव बेवा हाकिमसिंह                      | } पि. हाकिमसिंह  | } निवासी गढी (मोरडा) |                         |
| 4  | मोहनसिंह                                 |                  |                      |                         |
| 5  | मुरारी "                                 |                  |                      |                         |
| 6  | घनश्यामसिंह                              |                  |                      |                         |
| 7  | श्यामसिंह                                |                  |                      |                         |
| 8  | विष्णुसिंह                               |                  |                      |                         |
| 9  | रकमसिंह उर्फ पप्पू दत्तक पुत्र मनोहरसिंह |                  |                      | } तह टोडाभीम जिला करौली |
| 10 | वृजराजसिंह पुत्र कायमसिंह                |                  |                      |                         |
| 11 | बावूसिंह                                 |                  |                      |                         |
| 12 | अमरिसिंह                                 |                  |                      |                         |
| 13 | हरिसिंह                                  |                  |                      |                         |
| 14 | प्रीतमसिंह                               | } पि. छुट्टनसिंह |                      |                         |
| 15 | मगनसिंह                                  |                  |                      |                         |

उप जिला कलक्टर  
टोडाभीम (करौली)

16 फूलबाई बेवा भूदलनासिंह

17 पुरलीसिंह

18 सुमिरसिंह } पि भगनासिंह

19 जगकासिंह

20 बलीबाई

21 अरुणबाई } पुत्रियां भगनासिंह

22 सुनीता

23 सुमित्रा

24 सुभारबाई

समस्त जाति राजपूत, निवासी

25 जगदीशसिंह पुत्र रघुनाथसिंह

26 वृषा बेवा हट्टीसिंह

27 दीकमसिंह

28 शिबूसिंह } पि हट्टीसिंह

मढी (भोरडा) तह. दोडाभीम जिला

29 बलबहादूरसिंह

30 ताससिंह

31 कमलेश बेवा गोपालसिंह

32 अशोकसिंह पुत्र गोपालसिंह

कसौली राजा

33 प्रेमदेवी पत्नी माधोसिंह

34 गोविन्दसिंह

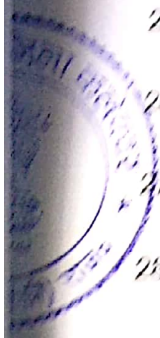
35 भरुसिंह } पि. माधोसिंह

36 विजयसिंह

37 कलावती बाई

38 लीला बाई } पि. रघुनाथसिंह

39 मूलीबाई



Handwritten signature and text in blue ink at the bottom right of the page.

- 40 बी ओ बी मोरडा तह0 टोडाभीम जिला करौली राज।
- 41 एस बी बी जे शाखा मेहन्दीपुर वालाजी तह0 टोडाभीम जिला करौली राज0।
- 42 तहसीलदार तह0 टोडाभीम जिला करौली राज0।

प्रतिवादीगण

दावा बाबत इस्तकरारहक एवं स्थायी निषेधाज्ञा


- उपस्थित :- 1 वादी की ओर से:- सुरेश चन्द शर्मा एडवोकेट
- 2 प्रतिवादीगण की ओर से :- रामावतार शर्मा

निर्णय

दिनांक- 26.04.2017



दावे के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार है कि आराजी ख0नं0 200 रकबा 0.14 है0, 202 रकबा 0.15 है0, 203 रकबा 0.16 है0 कुल किता 3 कुल रकबा 0.45 है0 ग्राम गढी पटवार हल्का मोरडा तह टोडाभीम में स्थित है। उक्त आराजी की खातेदारी वर्तमान रेवन्यू रिकार्ड जमाबंदी संवत् 2068-2071 में प्रतिवादीगण के नाम हिस्सेनुसार है। मोहरबाई फौत हो चुकी है। जिसके वारिस प्रतिवादी नं0 1 ता 8 है। उक्त खसरा नम्बरान 200, 202, 203 को सैटिलमेन्ट कर्मचारियों द्वारा दौराने सैटिलमेन्ट साबिक ख0नं0 95 रकबा 1 बीघा 16 बिस्वा से तरमीम करके अंकित किया है। उक्त आराजी ख0नं0 200, 207, 203 व उसके पूर्व साबिक नम्बर 95 वादीगण के कब्जे काशत की आराजी की जमीन रही है। तथा वे उक्त आराजी को बजमाने बुजुर्गान से काशत करते चले आ रहे हैं। तथा आज भी काशत कर रहे हैं। उक्त आराजी से प्रतिवादीगण का कोई संबंध किसी भी प्रकार का आज दिन तक नहीं रहा है और ना ही आज है। उक्त आराजी को पहले वादीगण अपने पिता दादा के साथ काशत करते थे। तथा उनके फौत होने के बाद वादीगण स्वयं काशत करते रहते हैं। तथा यह

  
उप जिला कलक्टर  
टोडाभीम (करौली)

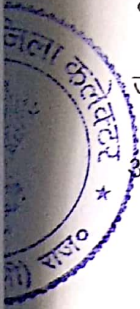
कम बदरतूर सैकडो साल से चला आ रहा है। तथा आज भी बदरतूर जारी है। इस प्रकार वादीगण सैकडो साल से काविज होने तथाकाशत करने पर उक्त आराजी को एडवर्डस पजेशन तथा लॉग टर्मस पजेशन के आधार पर खातेदारी कराने के मुस्तहक है। वादीगण उक्त आराजी पर सैकडो साल से काविज एवं दखील है। तथा साल दर साल फसल दर फसल काशत करते रहे है। मौके पर काशत के बावत् कोई विवाद भी नहीं है। लेकिन प्रतिवादीगण के नाम आज किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं है। लेकिन भविष्य को लेकर अंदेशा बना हुआ है। आराजी की खातेदारी होने तथा लगातार खातेदारो की संख्या बढने के कारण परेशानीसे बचने के लिये वादीगण द्वारा दिनांक 08.12.2013 को प्रतिवादीगण से कहा कि हम हमेशा से उक्त आराजी पर काबिज है तथा तुम्हारा कभी भी कब्जा नहीं रहा है। क्योकि पहले हम खातेदार थे अब बढ गये तथा भविष्य में और बढ जायेगे तो प्रतिवादीगण बोले कि जमीन कही भागे थोडे जा रही है। तुम्हारे कब्जे काशत में है तथा टालमटोल कर रहे है। इसलिये दावा पेश करना आवश्यक हुआ है कि उक्त आराजी से प्रतिवादीगण का नाम हजफ फरमाकर वादीगण के नाम खातेदारी दर्ज की जावे।

दावा दर्ज रजिस्टर्ड कर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन नोटिस तलब किया तथा प्रतिवादीगण नं0 9 द्वारा इकबाली जबाव पेश कर दावा डिक्री किये जाने में कोई आपत्ति नहीं होना अंकित कराया प्रतिवादी नं0 1, 2, 11, 12, 15, 17, 19, 32 ने अदालत में उपस्थित होकर राजीनामा पेश किया तथा प्रतिवादी नं0 10, 13, 14, 27 द्वारा एक साथ आकर अदालत में उपस्थित होकर राजीनामा पेश किया तथा राजीनामा में स्वीकार किया कि उक्त आराजी वादीगण के कब्जे काशत की रही है तथा हमने उक्त आराजी हमारी याद कभी भी काशत नहीं की ना हमारे वुजुर्ग द्वारा काशत की बल्कि हमेशा से वादीगण व उनके पिता व दादा को काशत करते देखा है। इसलिये उक्त आराजी वादीगण

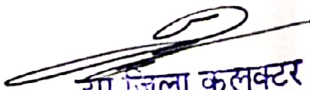
उप जिला कलेक्टर  
(कौली)

के नाम होने पर हमे कोई आपत्ति नहीं है। शेष प्रतिवादीगण अदालत नहीं आये तथा उनके खिलाफ भी इकतरफा कार्यवाही हो चुकी है।

अधिवक्ता द्वारा बहस से पूर्व एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया कि उक्त आराजी पर काबिज होने के कारण स्थायी निषेधाज्ञा की रिलीफ हजफ फरमायी जावे जो स्वीकार की गई तथा वादी वकील की बहस सुनी गई। उन्होने वाद पत्र के मदो में अंकित तथ्यो को दोहराते हुए तथा अधिकतम प्रतिवादीगण के राजीनामा के मुताबिक दावा डिकी करने का निवेदन किया कि उक्त आराजी हमेशा से वादीगण व उनके पूर्वज काशत करते रहे है। तथा आज भी काशत कर रहे है। जो प्रतिवादीगण अदालत नहीं आ पाये वे पर्दाकशीन महिलाएँ है। जो ज्यादातर सुसराल में है तथा उन्हे भी कोई आपत्ति नहीं है। अन्यथा वे अदालत में आकर अपना पक्ष रखती।



मैने वकील वादीगण की बहस सुनी तथा पत्रावली में प्रस्तुत दस्तावेजात इकवाली जबाव व राजीनामा पर मनन किया, वकील वादी द्वारा अपनी बहस में बताया कि उक्त आराजी वादीगण के कब्जे काशत में है तथा उससे पूर्व उसके पिता तथा दादा के कब्जे काशत में है तथा उससे पूर्व उसके पिता तथा दादा के कब्जे काशत में है। उक्त समर्थन में उसने गिरदावरी संवत् 2014 ता 2019 पेश की तथा उक्त कथन समर्थन प्रतिवादी नं० 9 एवं 1, 2, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 17, 17, 27, 32 द्वारा अदालत में स्वयं उपस्थित होकर राजीनामा प्रस्तुत करके उक्त आराजी वादीगण के नाम कर देने में कोई आपत्ति नहीं होना जाहिर किया तथा पूछताछ में भी उनहें उक्त आराजी वादीगण ही बताया है। शेष प्रतिवादीगण अदालत में सम्मन प्राप्ति के बाद भी उपस्थित नहीं हुये है। इसलिये ये प्रतीत होता है कि उक्त विवाद के बाबत् उनकी कोई रूचि नहीं है। इसलिये इकवाली जबाव व पक्षकारान द्वारा अदालत में उपस्थित होकर

  
उप जिला कलक्टर  
दोडाभीम (करौली)

राजीनामा के आधार पर एवं मुख्यत इन्द्राज दुरुस्ती का मामला होने से वादीगण का दावा डिक्री होने योग्य प्रतीत होता है।

अतः दावा वादीगण खिलाफ प्रतिवादीगण राजीनामा के आधार पर डिक्री किया जाता है कि आराजी ख०नं० 200/0.14, 202/0.15, 203/0.16 है० कुल किता 3 कुल रकबा 0.45 है० ग्राम गढी में पटवार हल्का मोरडा तह० टोडाभीम जिला करौली में प्रतिवादीगण के ~~आप~~ हजफ कर वादीगण को बहिस्सा बराबर बराबर के खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है। पर्चा डिक्री जारी हो।

निर्णय आज दिनांक 26.04.2017 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।



(जिगदीश आर्य)  
उप जिला कलेक्टर  
उपजिला कारागार (करौली) जभीम  
टोडाभीम (करौली)